हिन्दुस्तान

नगर संस्करण

www.livehindustan.com

पटना, वर्ष 25, अंक 21, 20+8 पेज, मूल्य 4.00 रुपए, माघ, शुक्ल, षष्ठी, गुरुवार, 21 जनवरी, 2010

ईगुरुकुल के वार्षिकोत्सव में छात्रों ने मचाया धमाल

पटना। ईगुरुकुल के दसवें वार्षिकोत्सव पर जहां बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम में सतरंगी छटा बिखेरी। छात्र-छात्राओं ने सामूहिक गान और ग्लोबल वार्मिंग पर आधारित नृत्य नाटिका की शानदार प्रस्तुति की। वहीं ग्लोबल वार्मिंग विषय पर आयोजित सेमिनार में मानवाधिकार आयोग के सदस्य आरआर प्रसाद, आद्री के सचिव शैवाल गुप्ता, मुरारी जी मिश्रा और श्रीकांत प्रत्यूष ने अपने विचार रखे। आरआर प्रसाद सहित कई अतिथियों ने ईगुरुकुल की सराहना की और कहा कि यह एक ऐसा संस्थान है, जहां चरित्र निर्माण पर विशेष ध्यान दिया जाता है। (का.सं.)

ईगुरुकुल के वार्षिकोत्सव में छात्रों ने मचाया धमाल

पटना। ईगुरुकुल के दसवें वार्षिकोत्सव पर जहां बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम में सतरंगी छटा बिखेरी। छात्र-छात्राओं ने सामूहिक गान और ग्लोबल वार्मिंग पर आधारित नृत्य नाटिका की शानदार प्रस्तुति की। वहीं ग्लोबल वार्मिंग विषय पर आयोजित सेमिनार में मानवाधिकार आयोग के सदस्य आरआर प्रसाद, आद्री के सचिव शैवाल गुप्ता, मुरारी जी मिश्रा और श्रीकांत प्रत्यूष ने अपने विचार रखे। आरआर प्रसाद सहित कई अतिथियों ने ईगुरुकुल की सराहना की और कहा कि यह एक ऐसा संस्थान है, जहां चरित्र निर्माण पर विशेष ध्यान दिया जाता है। (का.सं.)

नाम के अनुरुप शिक्षा का संस्कार देता है ईगुरूकुल

पटना : ईगुरूकुल का दसवां वार्षिकोत्सव गुरूवार को मनाया गया जिसमे रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ ग्लोबल वार्मिंग पर एक सेमिनार आयोजित किया गया. इस मौके पर मुख्य अतिथि के रुप में पूर्व डीजीपी आर.आर.प्रसाद, सदस्य मानवाधिकार आयोग बिहार, शैवाल गुप्ता, सचिव आद्री, मुरारी जी मिश्रा मुख्य वन संरक्षक बिहार तथा श्रीकांत प्रत्यूष प्रधान संपादक, सन्मार्ग और पीटीएन न्यूज तथा अन्य गणमान्य अतिथियों ने अपनी उपस्थिति से छात्रों का उत्साहवर्द्धन किया. वार्षिक समारोह में सांस्कृतिक कार्यक्रम में छात्रों ने संस्कृत में स्वस्ति वाचन तथा सरस्वती वंदना के द्वारा ईश्वर का आह्वान किया, और सामूहिक -गान के द्वारा आसमान को छूने की तमन्ना की. एक कविता के द्वारा ईगुरूकुल के जीवन को भी प्रस्तुत किया गया. साथ ही छात्रों ने भजन के द्वारा माता-पिता तथा गुरूओं के प्रति श्रद्धा को प्रकट किया तथा ग्लोबल वार्मिंग पर आयोजित नृत्य-नाटिका धरती कहे पुकार के'' के द्वारा सबकी आँखों को न केवल नम कर दिया बल्कि आखें भी खोल दी. आज के युग में सबसे चिंतित करने वाले विषय को छात्रों ने जिस मनमोहक अंदाज से प्रस्तुत किया वह सराहनीय था. सांस्कृतिक कार्यक्रम के पश्चात, ग्लोबल वार्मिंग विषय पर सेमिनार भी आयोजित किया गया जिसकी भूमिका डा. ज्योत्सना मिश्रा ने संस्कृत ग्रन्थों पर आधारित तथ्यों के माध्यम से दिया. उन्होंने विष्णु पुराण में वर्णित कलि चर्चा के आधार पर बताया कि सैकड़ों वर्ष पूर्व भारतीय मनीषियों ने इसीप्रकार धरती पर उष्मीकरण की ओर संकेत किया था. तभी तो वृक्षारोपण को पुत्र से भी अधिक महत्व ग्रन्थों में दिया गया है. उक्त अवसर पर मेधावी छात्र -छात्राओं को पुरस्कृत भी किया गया जिसमें मुख्य रूप से योषिता प्रिया, स्वर्णलक्ष्मी, जयेश चौधरी, शिवानी , शशांकशेखर मिश्रा, अद्वैत आकाश, प्रियेश, अर्मित, संत कुमार झा, सोनम, दीपक आदि शामिल थे.